6 महीने में बदल जाएगा पुराना इनकम टैक्स कानून!

जल्द पूरा होगा आयकर अधिनियम 1961 की समीक्षा का काम

नई दिल्ली,22 अगस्त.आने वाले दिनों में इनकम टैक्स से जुड़े नियम-कानून और आसान हो जाएंगे. क्योंकि, सरकार आयकर अधिनियम, 1961 की समीक्षा कर रही है. केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा कि इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के रिव्यू का काम 6 महीनों की निर्धारित समयसीमा में पूरा कर लिया जाएगा.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले महीने वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करते हुए कहा था कि देश के प्रत्यक्ष कर कानून को सरल बनाने के लिए इसकी समीक्षा की जाएगी. उन्होंने इस काम को छह महीने में पूरा करने की बात कही थी.आयकर विभाग का नियंत्रण करने वाले सीबीडीटी के प्रमुख अग्रवाल ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''हमारे पास एक महत्वपूर्ण कार्य है जो आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा का है. इसका उद्देश्य मुकदमेबाजी को कम करना और करदाताओं को कर निश्चितता प्रदान करना है.''

कर कानून को सरल बनाने का काम शुरू- अग्रवाल ने कहा कि सीबीडीटी ने इसके लिए मिशन अंदाज में काम शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा कि यह काम चुनौतीपूर्ण और परिवर्तनकारी होने के बावजूद निर्धारित समयसीमा में पूरा कर लिया जाएगा. उन्होंने आयकर विभाग के 165वें वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को आश्वस्त किया कि समीक्षा को तय समय में पूरा कर लिया जाएगा.

ITR की नई व्यवस्था लोगों को पसंद

सीबीडीटी प्रमुख ने कहा कि आयकर रिटर्न दाखिल करने की नई व्यवस्था लोगों को पसंद आ रही है और करीब 72 प्रतिशत करदाताओं ने इसे चुना है .रिटर्न भरने की अंतिम तारीख 31 जुलाई तक 58 .57 लाख लोगों ने पहली बार आयकर रिटर्न जमा किए .उन्होंने कहा कि अब तक संपर्क-रहित व्यवस्था के तहत कुल 6 .76 लाख आयकर आकलन पूरे किए गए हैं, जबकि जुलाई तक 2 .83 लाख अपीलों को अंतिम रूप दिया गया .

बंद हो सकती है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सरकार पेपर गोल्ड स्कीम को जारी रखने पर नहीं कर रही विचार

नई दिल्ली,22 अगस्त. अगर आप भविष्य में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने की तैयारी में है तो बड़ा झटका लग सकता है. सरकार के सूत्रों से इस बारे में बड़ी जानकारी मिली है. निवेश के लिए महंगे और जटिल इंस्ट्रूमेंट होन की वजह से सरकार अब आगे सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जारी नहीं रख सकती है. हालांकि, ये जानकारी सूत्रों से मिली है और सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बात सामने नहीं आई है.पेपर गोल्ड के तौर पर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को सरकार ने साल 2015 में लॉन्च किया था. उस दौरान विदेशों से भारत में सोने का आयात तेजी से बढ़ रहा था.

कुल 67 ट्रांच जारी, 4 मैच्योर हुए- भारत सरकार की ओर से भारतीय रिजर्व बैंक इस सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को मैनेज करता है. इस स्कीम के लॉन्च होने से अब तक कुल 67 ट्रांच में निवेशकों ने 72,274 करोड़ निवेश किए हैं. इनमें से 4 ट्रांच पूरी तरह से मैच्योर भी हो चुके हैं. इस बॉन्ड को खरीदने वाले निवेशकों को बॉन्ड रीडेम्पशन के जरिए पैसे वापस चुकाए जा चुके हैं.

निवेशकों को मिला डबल रिटर्न

निवेशकों के लिहाज से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड निवेश का एक बेहतर विकल्प साबित हुआ है . निवेशकों को तो इस स्कीम के जरिए 8 साल में डबल रिटर्न मिला है . 2015 से 2017 के बीचे पहले 4 ट्रांच जारी किए गए थे . हालिया बजट डॉक्युमेंट्स से जानकारी मिलती है कि इस स्कीम के तहत सरकार की कुल देनदारी ?85,000 करोड़ है . मार्च 2020 में यह 10,000 करोड़ से भी कम था .

गिरिराज ने दिया नये बाजारों पर जोर

हस्तशिल्प निर्यातकों से हरित उत्पादों पर ध्यान देने की अपील

नयी दिल्ली 22 अगस्त (वार्ता) केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने हस्तशिल्पियों से वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नये बाजारों की तलाश करने की अपील करते हुये कहा है कि हरित और टिकाऊ उत्पादों पर ध्यान केन्द्रित करने और उत्पाद विविधीकरण को प्राथमिकता दिये जाने से निर्यात को बढ़ाया जा सकता है.

सिंह ने कल रात यहां हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा आयोजित 24वें हस्तशिल्प निर्यात पुरस्कार वितरण समारोह में निर्यातकों को पुरस्कृत करने के दौरान निर्यातकों को चैंपियन कहते हुए उन्होंने उनसे असाधारण विरासत की मौजूदा ताकत, 35,000 उत्पादों का उत्पादन करने वाले 800 क्लस्टर और ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और इटली जैसे प्रमुख बाजारों के लिए कारखाने बनने की क्षमता का लाभ उठाकर दुनिया के सामने भारत की योग्यता साबित करने का आग्रह किया। उन्होंने निर्यातकों से नए बाजारों की तलाश करने का भी आग्रह किया और उम्मीद जताई कि टिकाऊ और हरित उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने और उत्पाद विविधीकरण को प्राथमिकता देने के साथ इस क्षेत्र में नए निर्यातकों द्वारा विश्व बाजारों में भारत की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी.

डीएमआरसी-एनसीआरटीसी में समझौता

एक ही ऐप से मिलेगी मेट्रो और नमो भारत ट्रेन की टिकट

नई दिल्ली,22 अगस्त .रैपिड रेल का संचालन करने वाली एनसीआर ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने एकीकृत क्यूआर-कोडेड टिकटिंग के लिए हाथ मिलाया है. इस समझौते का फायदा यह होगा कि यात्री एक ही बुकिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली मेट्रो और नमो भारत दोनों ट्रेनों के लिए टिकट बुक कर सकेंगे.

इस एकीकरण के साथ, RRTS कनेक्ट एप्लिकेशन के जरिए नमो भारत ट्रेन टिकट बुक करने वाले दिल्ली मेट्रो की टिकट भी खरीद सकते हैं. इसी तरह, मेट्रो टिकट बुक करने के लिए डीएमआरसी मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल करने वाले यात्री भी नमो भारत ट्रेन टिकट भी खरीद सकते हैं. एकीकृत क्यूआर-कोडेड टिकटिंग सिस्टम यात्रियों को यात्रा करते समय या तो किसी एक सिस्टम के मोबाइल ऐप का उपयोग करने या दोनों के बीच स्विच करने की अनुमति देगा. इसी महीने की शुरुआत में एनसीआरटीसी और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड के बीच भी समझौता हुआ था. इसके बाद यात्री आईआरसीटीसी ऐप पर रैपिड रेल टिकट बुक कर सकते हैं या फिर भारतीय रेलवे के टिकटों के साथ 120 दिन पहले भी नमो भारत ट्रेन की टिकट बुक कर सकते हैं.

यात्रियों को होगा खूब फायदा

एनसीआरटीसी के एक अधिकारी ने कहा, रैपिड रेल स्टेशन रणनीतिक रूप से पास में स्थित हैं या रेलवे और मेट्रो स्टेशनों और बस डिपो के साथ एकीकृत हैं . यह पहल एनसीआरटीसी और डीएमआरसी नेटवर्क में यात्रा के लिए विभिन्न टिकटिंग ऐप के बीच स्विच करने की आवश्यकता को समाप्त कर देगी . एकीकृत टिकटिंग विकल्प से एनसीआरटीसी और डीएमआरसी स्टेशनों पर कतारें कम होने और दिल्ली-एनसीआर के भीतर यात्रा के लिए रेल-आधारित परिवहन का इस्तेमाल ज्यादा लोगों के करने की उम्मीद है .

भारत की जीडीपी वृद्धि 6% रहने का अनुमान : इक्रा

नयी दिल्ली, 22 अगस्त. सरकारी पूंजीगत व्यय में कमी तथा शहरी उपभोक्ता मांग में नरमी से भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अप्रैल-जून तिमाही में छह प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे कम है. रेटिंग एजेंसी इक्रा ने बृहस्पतिवार को यह बात कही.

इक्रा को समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की दर के 6.8 प्रतिशत रहने उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज 8.2 प्रतिशत से कम है.इक्रा ने सरकारी पूंजीगत व्यय में कमी तथा शहरी उपभोक्ता मांग में गिरावट के बीच वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी के छह प्रतिशत पर आने का अनुमान लगाया है जो पिछली छह तिमाही में सबसे कम होगा.

भारत का डायमंड एक्सपोर्ट घटा

प्रीमियर-2024 में सोने के आभूषणों का दबदबा

नई दिल्ली,22 अगस्त. हाल ही में अमेरिका में मंदी की आशंका जताई गई, जबकि ग्लोबल मार्केट में पहले से ही डिमांड में कमी देखी जा रही है. इसका सीधा असर भारत के रत्न और आभूषण कारोबार पर पड़ा है. रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई महीने में इस सेक्टर का एक्सपोर्ट घट गया है.

अमेरिका में मंदी की आशंका के चलते सूरत में कई डायमंड फैक्ट्रियों ने इस महीने अपने कर्मचारियों को 10 दिन की छुट्टी पर भेज दिया था.जीजेईपीसी ने कहा है कि वैश्विक अशांति के बाद उपभोक्ता मांग में कमी के कारण जुलाई में कुल रत्न और आभूषण एक्सपोर्ट में सालाना आधार पर 23.28 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है. इस दौरान एक्सपोर्ट घटकर 166.54 करोड़ डॉलर पर आ गया जबकि पिछले साल जुलाई में ये एक्सपोर्ट 217.07 करोड़ डॉलर का हुआ था.

जीजेईपीसी के चेयरमैन विपुल शाह के अनुसार, अमेरिका और चीन जैसे प्रमुख बाजारों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण डिमांड में कमी आई है.

लाभप्रदता की ओर बढ़ रहा ओला इलेक्ट्रिक

कार योजना फिलहाल टली, दोपहिया और तिपहिया पर जोर

नयी दिल्ली, 22 अगस्त.ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला के ऊर्ध्वाधर एकीकरण और घरेलू स्तर पर उत्पादित 'सेल' के आधार पर लाभप्रदता में आने की रूपरेखा तैयार की है.

कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अग्रवाल ने कहा कि हालांकि इलेक्ट्रिक कार बनाने की योजना फिलहाल टाल दी गई है.संपादकों के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी ऐसे उत्पाद बनाएगी

जिनकी भारतीयों को जरूरत है, जिनमें से अधिकतर दोपहिया तथा तिपहिया वाहन हैं.

कंपनी ने पिछले सप्ताह इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल खंड में प्रेवश किया था.अग्रवाल ने कहा,हमने दिखाया है कि तेज वृद्धि के साथ निवेश करके भी, आप मुनाफे में सुधार कर सकते हैं. कर पूर्व आय से लेकर कर पश्चात आय तक के लिए लाभप्रदता की रूपरेखा तैयार की गई है. हमारे पास दो या तीन रणनीतियां हैं, जिन पर हम लगातार काम कर रहे हैं, जो आने वाली तिमाहियों में मुनाफे में सुधार लाएंगी.वह ओला इलेक्ट्रिक की लाभप्रदता पर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे, क्योंकि कंपनी के शेयर की कीमत 76 रुपये के सूचीबद्ध मूल्य से दोगुना होना चिंता का विषय बना हुआ है.

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली 22 अगस्त (वार्ता) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत.

पेटीएम ने फिल्म टिकट कारोबार जोमैटो को बेचा

नई दिल्ली,22 अगस्त. पेटीएम ने अपना फिल्म टिकट कारोबार 2,048 करोड़ रुपये में जोमैटो को बेचने का ऐलान किया है. एंटरटेनमेंट टिकट बिजनेस में फिल्मों के अलावा स्पोर्ट्स और म्यूजिक इवेंट के टिकट भी शामिल हैं.

पेटीएम ब्रांड का संचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस बिजनेस की जोमैटो को बिक्री होने के बावजूद अगले 12 महीनों में ये टिकट पेटीएम के ऐप पर ही बुक किए जा सकेंगे. ओसीएल ने इस बारे में जोमैटो के साथ एक समझौता करने की सूचना देते हुए कहा कि इस सौदे का मूल्य 2,048 करोड़ रुपये होगा. इस डील के बाद जोमैटो के कारोबार का दायरा बढ़ जाएगा. अभी तक जोमैटो फूड प्रोडक्ट्स की सप्लाई से जुड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का संचालन करती है.

पेटीएम के कर्मचारियों का क्या होगा?

पेटीएम और जोमैटो के बीच इस सौदे के तहत, पेटीएम के एंटरटेनमेंट टिकटिंग डिवीजन के लगभग 280 कर्मचारी भी ज़ोमैटो में चले जाएँगे . वहीं, इस डील के बाद जोमैटो के को-फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल ने कहा कि अधिग्रहण से कंपनी को ग्राहकों को नई सुविधा ऑफर करने और बिजनेस का विस्तार करने में मदद मिलेगी .दीपिंदर गोयल ने शेयरधारकों को लिखे लेटर में कहा, हमारा मानना है कि अगले दशक और उसके बाद भी, कंसम्पशन में वृद्धि मजबूती के साथ होगी .

बाजार में लगातार बढ़त

मुंबई 22 अगस्त (वार्ता) अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक के जारी मिनट्स में अगले कुछ सप्ताह में ब्याज दर में कटौती शुरू करने के संकेत से विश्व बाजार में आई तेजी की बदौलत स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, दूरसंचार, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और सर्विसेज समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली से शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन बढ़त बरकरार रही.बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 147.89 अंक मजबूत होकर करीब दो सप्ताह बाद 81 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 81,053.19 अंक पर पहुंच गया.

समाचार विशेष

पीके के खौफ में भाजपा में ब्राह्मणों की लग रही लॉटरी

सतीश, मंगल, नीतीश के बाद मनन को मिला मौका

गोपालगंज. बिहार की राजनीति में जबरदस्त अंदाज में घुसपैठ कर रहे प्रशांत किशोर भारतीय जनता पार्टी के लिए खतरा बन गए हैं? क्या प्रशांत किशोर का ब्राह्मण होना और उस पर आंकड़े बाज या चुनावी रणनीतिकार होना कहीं भाजपा के आधार वोट ब्राह्मण पर खतरे का सिग्नल तो नहीं है?

सच तो यह है कि इधर ब्राह्मण के लिए पदों का पिटारा खोल रखी भाजपा इन दिन सवालों के घेरे में तो आ ही गई है. तो क्या ब्राह्मण नेताओं पर मेहरबान होकर भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व प्रशांत किशोर के लिए फील्डिंग सजा रहा है?

केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे- तीन बार विधायक और एक बार लोक सभा सांसद रहे सतीश चंद्र दुबे फिलहाल केंद्र सरकार में खान मंत्रालय और कोयला मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री हैं. 2019 में राम जेठमलानी वाली सीट पर शेष अवधि के राज्य सभा भेजा गया. फिर 2022 में राज्य सभा भेजा गया. 2024 में जब मंत्रिमंडल गठित किया जा रहा था तो उन्हें केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया गया. हालांकि इसके पहले 2014 में वाल्मीकि नगर लोकसभा से सांसद रहे. 2019 में यह सीट जदयू को चली गई. विद्रोही हो गए. आनन-फानन में राज्य सभा भेजे गए और अब केंद्रीय राज्य मंत्री. ब्राह्मणों में इनकी पैठ खास कर उत्तर बिहार में जबर्दस्त है.

स्वास्थ और कृषि मंत्री मंगल पांडे- मंगल पांडे भाजपा के कद्दावर नेताओं में से आते हैं. मध्य बिहार और उत्तर बिहार में इनकी विशेष पैठ है. इस बार नीतीश कुमार ने इनका कद बढ़ाते दो बड़े मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी है. इनमें कृषि और स्वास्थ विभाग शामिल है. मंगल पांडेय 2012 से एमएलसी रहे. 2013 से 2017 तक प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाली है. मंत्री पद 2017 से अब तक तीन बार नीतीश मंत्रिमंडल के वरीय और महत्वपूर्ण पदों पर रहे.

और अब मनन कुमार मिश्रा

बार कॉउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के छह बार अध्यक्ष रहे मनन कुमार मिश्र भाजपा केंद्रीय नेतृत्व की ओर से लाए गए तीसरे योद्धा हैं जो प्रशांत किशोर का ब्राह्मण मतों पर होने वाले हमले से भाजपा को बचाएंगे . पीके भी गोपालगंज के रहने वाले हैं . मनन कुमार मिश्रा हाल ही में बीजेपी में आए और राज्य सभा के उम्मीदवार बने . इसके पहले 2010 में ये कांग्रेस की टिकट पर बैकुंठपुर विधान सभा से चुनाव में उतरे, यहां हार मिली . 2014 में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) से बगहा लोक सभा से चुनाव में उतरे थे .

भाजपा ने बनाई राज्यसभा चुनाव की रणनीति

मुख्यमंत्री सैनी किरण चौधरी की जीत को लेकर आश्वस्त

चंडीगढ़. मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में विधायक दल की बैठक हुई. बैठक में राज्यसभा उपचुनाव को लेकर सभी विधायकों को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए. मुख्यमंत्री सैनी ने किरण चौधरी को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा राज्यसभा उम्मीदवार घोषित करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

सीएम आवास पर हुई बैठक में विधायकों के साथ मुख्यमंत्री सैनी ने 3 सितंबर को होने वाले राज्यसभा के उपचुनाव को लेकर पूरी रणनीति तैयार की. विधायकों के साथ हुई चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री सैनी किरण चौधरी की जीत को लेकर आश्वस्त नजर आए. इसके साथ ही विधानसभा चुनाव को लेकर भी मंथन हुआ. हरियाणा में 1 अक्तूबर को विधानसभा चुनाव होने हैं. मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से बारी-बारी उनके विधानसभा क्षेत्रों के बारे में पूरी जानकारी ली. इस दौरान विधायकों ने भी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों का पूरा ब्यौरा सीएम सैनी के सामने रखा. विधानसभा अनुसार हो रही मुख्यमंत्री की नॉन स्टॉप हरियाणा रैलियों को लेकर भी चर्चा हुई. विधायक दल की बैठक में विधायकों ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यों और उपलब्धियों को लेकर जनता में खुशी का माहौल है. जनता फिर से हरियाणा में भाजपा की सरकार बनाने के लिए तत्पर है. नायब सैनी की कार्यशैली और थोड़े से समय में ही की गई घोषणाओं तथा किसानों के हित में लिए गए निर्णयों ने सभी वर्गों का दिल जीता है.

उथल-पुथल का फायदा उठाने की फिराक में भाजपा

नई दिल्ली. जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है. झारखंड और महाराष्ट्र में भी इसी साल के अंत में चुनाव होने हैं.

भारतीय जनता पार्टी चुनावी राज्यों में काफी सक्रिय है, लेकिन पार्टी खास ध्यान झारखंड और महाराष्ट्र पर दे रही है, जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं. झारखंड के हालिया सियासी घटनाक्रम इस बात का इशारा कर रहे हैं कि भाजपा नए समीकरण साधने की तैयारी कर रही है. माना जा रहा है कि झारखंड के आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने की घटना से भाजपा को डर है कि इसका चुनाव में नुकसान न उठाना पड़े. इसी को ध्यान में रखते हुए भाजपा चंपई सोरेन को लेकर नई रणनीति तैयार कर सकती है. सूत्रों की मानें तो भाजपा चाहती है कि चंपाई सोरेन अपनी अलग पार्टी या मोर्चा बनाएं और झारखंड की आदिवासी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करें और हेमंत सोरेन व जेएमएम के वोट काटें ताकि वो भाजपा को जीतने में मदद करें.

विशेष | कश्मीर चुनाव से पहले कितनी बदली रणनीति

भाजपा में फिर क्यों हुई राम माधव की वापसी?

जम्मू. जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 से पहले भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा कदम उठाते हुए पूर्व राष्ट्रीय महासचिव राम माधव को बतौर चुनाव प्रभारी तैनात किया है. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए राम माधव और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी को प्रभारी नियुक्त किया है.

भाजपा के आधिकारिक बयान के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के चुनाव प्रभारी के रूप में माधव और रेड्डी की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई. इससे पहले राम माधव ने 2014-20 के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव के रूप में काम किया था. उन्हें जम्मू-कश्मीर, असम और पूर्वोत्तर के बाकी राज्यों के राजनीतिक मामलों का प्रभारी बनाया गया था. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक और राष्ट्रीय पदाधिकारी

के रूप में लंबे समय तक काम करने के बाद भाजपा में पहुंचे राम माधव की जम्मू-कश्मीर में चुनावी रणनीति बनाने भी अहम भूमिका रही है.

भाजपा और पीडीपी गठबंधन के सूत्रधार- माना जाता है कि जम्मू कश्मीर में भाजपा और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की गठबंधन सरकार बनाने में राम माधव की भूमिका काफी महत्वपूर्ण रही थी. इस गठबंधन सरकार में मुफ्ती मोहम्मद सईद जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री बने थे और भाजपा को उपमुख्यमंत्री का पद मिला था. लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा की जीत के बाद जब जेपी नड्डा को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था, तब उन्होंने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की टीम में राम माधव को शामिल नहीं किया था. अब नड्डा ने अपने एक्सटेंडेड कार्यकाल के आखिरी दिनों में राम माधव को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है.

संघ और भाजपा के शीर्ष नेताओं ने तैनाती पर की चर्चा - मौजूदा समय में राम माधव इंडिया फाउंडेशन नाम के एक थिंक टैंक के अध्यक्ष हैं. वहीं, भाजपा से वापस होने के बाद उन्हें आरएसएस की राष्ट्रीय टीम में जगह दी गई थी.

तीन चरण में चुनाव

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए तीन चरण में चुनाव होंगे . इसके लिए 18 सितंबर, 25 सितंबर और एक अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे . वहीं, नतीजे चार अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे . इस पूर्ववर्ती राज्य में लगभग एक दशक बाद और अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव हो रहे हैं . जम्मू-कश्मीर में पहले चरण में 24 सीटों पर और दूसरे-तीसरे चरण में क्रमशः 26 और 40 सीटों पर मतदान होगा . जम्मू-कश्मीर में पिछला विधानसभा चुनाव नवंबर-दिसंबर, 2014 में पांच चरणों में हुआ था . तब यह एक राज्य था और लद्दाख इसका ही हिस्सा था . तब चुनाव के बाद पीडीपी और भाजपा ने सरकार बनाई थी . मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन के बाद महबूबा मुफ्ती मुख्यमंत्री बनी थी . इसके बाद दोनों पार्टी अलग हो गई और राज्य में राष्ट्रपति शासन लग गया था . इस पूरी प्रक्रिया के दौरान भाजपा नेता राम माधव वहां के प्रभारी महासचिव थे .